॥ श्री ॥

पंचसंग्रह

PANCHASANGRAHA

विभिन्न · मध्यकाल · अभिलेख ८५/९०

विभिन्न

संक्षिप्त परिचय

जीवसमास, प्रकृति-समुत्कीर्तन आदि पाँच सैद्धान्तिक प्रकरणों का संग्रह — कर्म-सिद्धान्त के अध्ययन की प्राचीन पाठ्य-योजना।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

पंचसंग्रह — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ८५ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता विभिन्न; रचना-काल मध्यकाल (लगभग)। इसी लेखनी से भुजबलिचरित, भक्ति-संग्रह, तत्त्वदीपिका भी इस सूची में सम्मिलित हैं। समकालीन ग्रन्थों में शांतिपुराण परिगणित हैं।

इसी लेखनी से

भुजबलिचरित · भक्ति-संग्रह · तत्त्वदीपिका

समकालीन ग्रन्थ

शांतिपुराण

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ८५ — मूल छायाचित्र

← भक्ति-संग्रह

तत्त्वदीपिका →